

प्रेषक,

अरुण कुमार ढौंडियाल,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
पशुपालन विभाग,
उत्तराखण्ड देहरादून।

पशुपालन अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक 01 दिसम्बर, 2011

विषय: पशु रोग सूचना तन्त्र योजनान्तर्गत धनराशि अवमुक्त करने विषयक।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-2433/नि.-5/एक(23)/प.रो.सू.तं./2011-12 दिनांक-20.10.2011 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 में अनुदान संख्या-28 के अन्तर्गत पशु रोग सूचना योजनान्तर्गत ₹ 5.00 लाख (₹ पाँच लाख मात्र) की धनराशि की वित्तीय/प्रशासकीय स्वीकृति निम्न विवरणानुसार व्यय हेतु आपके निवर्तन पर निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन प्रादिष्ट किये जाने की स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- (1) धनराशि को व्यय किये जाने से पूर्व जहाँ कहीं आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा शासन द्वारा समय-समय पर जारी किये गये मितव्ययता संबंधी निर्देशों का पालन अवश्य किया जाय।
- (2) बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अधीन कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक के आधार पर अंकित बजट की सीमा में प्रतिमाह 5 तारीख तक प्रपत्र बी०एम० 13 पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना वित्त विभाग को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जाय।
- (3) कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियंता द्वारा स्वीकृत /अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शेड्यूल ऑफ रेट्स में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गयी हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियंता/सक्षम अधिकारी से अनुमोदित करना आवश्यक होगा।
- (4) कार्य करने से पूर्व विस्तृत आंगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- (5) इस संबंध में स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत रूप से व्यय न किया जाय। धनराशि का व्यय एवं आहरण आवश्यकतानुसार ही किया जाय।
- (6) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृति धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए।
- (7) एक मुश्त प्राविधानों को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आंगणन गठित कर सक्षम अधिकारी से अनुमोदन प्राप्त कर लिया जाय। निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री ही प्रयोग में लायी जाय।

- (8) मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006)/ दिनांक 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें। आगणन गठित करते समय तथा कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व Uttarakhand Procurement Rules, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।
- (9) अवमुक्त की गयी धनराशि को दिनांक-31.03.2012 तक उपयोग कर उपयोगिता प्रमाण-पत्र, भौतिक एवं वित्तीय प्रगति शासन/भारत सरकार को उपलब्ध कराई जाय। धनराशि अवशेष होने की स्थिति में धनराशि कोषागार में जमा कराई जायेगी।
2. उक्त धनराशि का व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 में अनुदान संख्या-28 के लेखाशीर्षक-2403-पशुपालन आयोजनागत-00-101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें-0108-राष्ट्रीय पशु रोग सूचना तन्त्र-42-अन्य व्यय के अन्तर्गत वहन किया जायेगा।
3. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या-250(P)/XXVII(1)/2011 दिनांक-24.11.11 द्वारा निर्गत दिशा निर्देशों के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(अरुण कुमार ढौंडियाल)
सचिव

संख्या: 1144 (1) / XV-1/2011 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :

1. महालेखाकार उत्तराखण्ड।
2. निजी सचिव, मुख्य सचिव को मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
3. निजी सचिव, प्रमुख सचिव एवं आयुक्त, वन एवं ग्राम्य विकास को प्रमुख सचिव महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
4. आयुक्त, कुमायूँ मण्डल/गढ़वाल मण्डल नैनीताल/पौड़ी।
5. समस्त जिलाधिकारी/वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
6. ~~समस्त मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी~~ उत्तराखण्ड।
7. बजट राजकोषीय नियोजन तथा ससाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।
8. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय देहरादून।
9. वित्त अनुभाग-4/नियोजन अनुभाग।
10. मीडिया सेन्टर, उत्तराखण्ड सचिवालय।
11. गार्ड फाइल।

आज्ञा से
(जी०बी० ओली)
संयुक्त सचिव